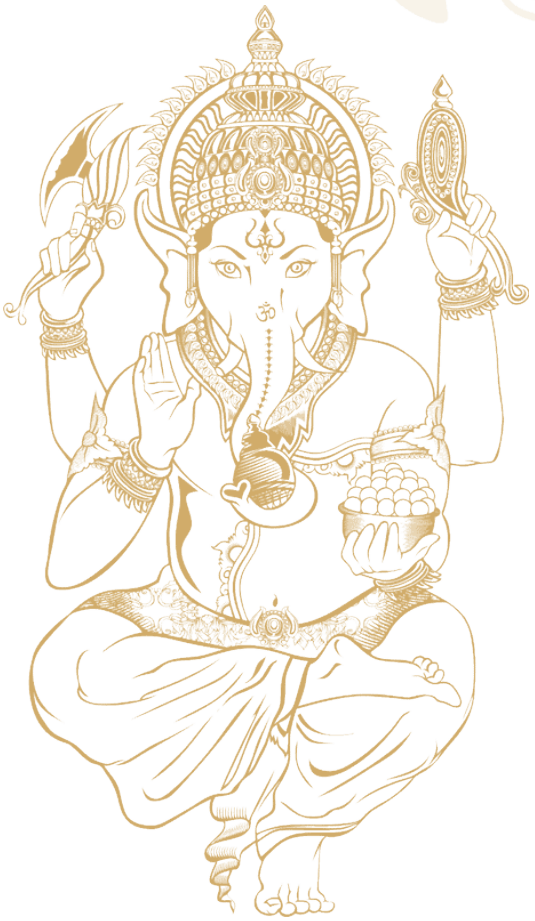

Mrm.

Ms.f

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120139009

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/11/1997	जन्म तिथि	05/02/2003
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 11:50:00	जन्म समय	20:32:00 घंटे
घटी 12:30:09	जन्म समय(घटी)	33:11:15 घटी
India	देश	India
Nawashahr	स्थान	Nawashahr
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
76:09:00 पूर्व	रेखांश	76:09:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:25:24	स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:56	सूर्योदय	07:15:29
17:29:02	सूर्यास्त	18:03:37
23:49:32	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:47

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 3मा 25दि	03:30:54	मक	लग्न	सिंह	24:52:54	शनि 8वर्ष 4मा 11दि
शुक्र	26:04:32	तुला	सूर्य	मक	22:29:45	बुध
09/03/2012	24:15:30	मीन	चंद्र	मीन	10:47:49	18/06/2011
09/03/2032	08:27:29	धनु	मंगल	वृश्चि	18:37:52	18/06/2028
शुक्र 09/07/2015	12:48:44	वृश्चि	बुध	धनु	27:12:18	बुध 14/11/2013
सूर्य 08/07/2016	20:14:21	मक	गुरु व	कर्क	18:46:22	केतु 11/11/2014
चन्द्र 09/03/2018	12:57:56	धनु	शुक्र	धनु	07:18:24	शुक्र 11/09/2017
मंगल 09/05/2019	20:43:25	मीन व	शनि व	वृष	28:29:54	सूर्य 19/07/2018
राहु 09/05/2022	24:03:46	सिंह व	राहु व	वृष	11:47:00	चन्द्र 18/12/2019
गुरु 07/01/2025	24:03:46	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	11:47:00	मंगल 14/12/2020
शनि 09/03/2028	11:15:45	मक	हर्ष	कुंभ	04:12:22	राहु 04/07/2023
बुध 07/01/2031	03:40:42	मक	नेप	मक	16:58:52	गुरु 09/10/2025
केतु 09/03/2032	11:02:33	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:29:07	शनि 18/06/2028

लग्न-चलित

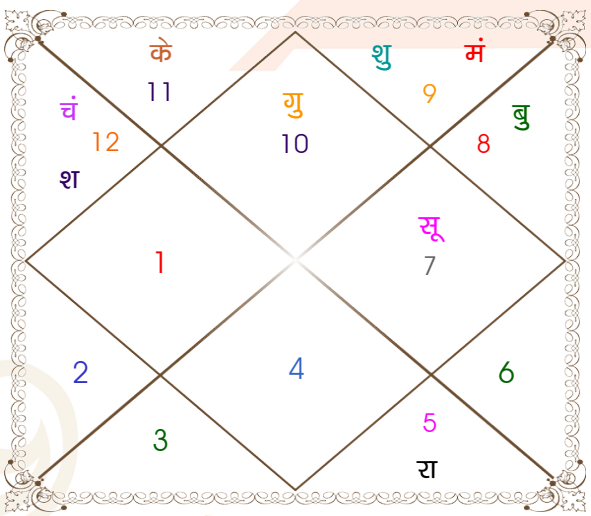

लग्न-चलित

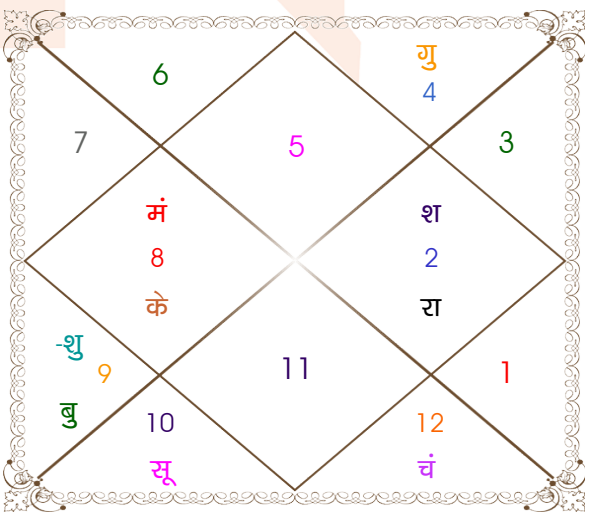

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Mrm. का वर्ग सिंह है तथा Ms.f का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mrm. और Ms.f का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mrm. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mrm. कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.f मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.f कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.f कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mrm. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mrm. तथा Ms.f में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।